यह सब से
अधिक
प्रमुख है।

पहला : आप को उद्धार पाना है ।

"इस लिये कि सब ने पाप किया है और परमेश्वर की महिमा से रहित है । (रोमियों ३:२३)

"हम तो सब के सब भेड़ों की नाई भटक गए थे । हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया ।" (यशायाह ५३:६अ)

"यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता" (यूहन्ना ३:३ ब)

दूसरा : आप अपने आप को बचा नहीं सकते !

"इसलिये कि व्यवस्था के कामों से कोई प्राणी धर्मी न ठहरेगा" (गलतियों २:१६ ब)

"क्योंकि जो कोई सारी व्यवस्था का पालन करता है परन्तु एक ही बात में चूक जाए तो वह सब बातों में दोषी ठहरा ।" (याकूब २:१०)

"धर्म के कामों के कारण नहीं जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार उसने हमारा उद्धार किया" (तीतुस ३:५ अ)

तीसरा : यीशु मसीह आपको बचा सकता है ।

"क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उस ने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए" (यूहन्ना ३:१६)

"वह (यीशु) आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया, जिस से हम पापों के लिए मर करके धर्मिकता के लिए जीवन बिताए; उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए ।" (१ पतरस २:२४)

चौथा : आप ऐसा उध्दार पा सकते है ।

"प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर; तो तू और तेरा घराना उध्दार पाएगा।" (प्रेरितों के काम १६:३१)

सूचना :

आप उध्दार को खरीद कर पा नहीं सकते । आप अपना उध्दार पाने के बाद उसका दाम चुका नहीं सकते । धर्मशास्त्र में लिखा है – "क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उध्दार हुआ है।" उसमें यह भी लिखा है – "परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है ।" उध्दार यीशु मसीह में ही है । परमेश्वर का वचन कहता है – "जितनों ने उसे (यीशु को) ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया ।" और यह भी लिखा है – "जिस के पास पुत्र है, उसके पास जीवन है ।" अगर आप यीशु मसीह को अपने हृदय में स्वीकार करेंगे तो आपको अनन्त जीवन मिलेगा । यीशुने कहा, "जो कोई मेरे पास

आयेगा, उसे मैं कभी न निकालूंगा ।"

दो हज़ार सालों से लोग यीशु मसीह के पास आ रहे हैं परन्तु उसने किसी को न ठुकराया या निकाला है । वह आप को नहीं निकालेगा । आप से उसने इतना प्यार किया कि आपके लिए अपना प्राण बलिदान दे दिया ।

इस परछे को पढ़ने के बाद यीशु मसीह को अपना मुक्तिदाता मानकर स्वीकार करने का फैसला इस परछे को हमें लौटाने के जरिये कबूल कीजिये ।
इस परछे को पढ़ने के बाद अगर आप यीशु मसीह को अपना मुक्तिदाता मानकर स्वीकार करते हैं तो इस परछे को हमें वापिस भेजिये ।

नाम : .....

पता : .....

शाहर .....

पिन कोड :.....

FELLOWSHIP TRACT LEAGUE
P.O. BOX 164 • LEBANON, OH 45036
www.fellowshiptractleague.org © Tract 5520 (Hindi)
All tracts free as the Lord provides. Not to be sold.